an>

Title: Need to revise the rate of interest on education loans.

श्री सदाशिव लोखंडे (शिर्डी) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आज के शून्य प्रहर में शिक्षा कर्जे में ब्याज मुक्ति संबंधी विष्Âाय को उठाना चाहता हूँ।

जो गरीब माँ-बाप के बच्चे हैं, वे शैक्षणिक ऋण बैंकों से लेते हैं। जो बच्चे नैशनलाइज्ड बैंक या को-ऑपरेटिव बैंक से कर्ज़ लेते हैं, उनके ब्याज दर 12 से 14 प्रतिशत तक हैं। यदि बच्चे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते हैं, तो इसमें उनको चार वÂाों का समय लगता है। चार वÂाों में उस पर पाँच लाख तक कर्ज़ की राशि होती है। पढ़ाई समाप्त होने के बाद वह नौकरी ज्वाइन करता है, तो उसे 10 हजार रुपये पगार मिलता है और बैंक की किश्त होती है 15 हजार रुपये की।

जो गरीब किसान और मजदूर हैं, उनको लगता है कि हमारा बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बनेगा। लेकिन शिक्षा-ऋण की जो ब्याज दर है, वह इन गरीब किसान और मजदूर लोगों के बच्चों की क्षमता से बाहर है।

इसलिए मेरा सुझाव है कि जो नैशनलाइज्ड बैंक इसके लिए ऋण देते हैं, उन्हें इस ऋण को ब्याज मुक्त करना चाहिए। मैं एक उदाहरण देता हूँ- यदि हम हाउसिंग लोन लेते हैं, तो 6 प्रतिशत के हिसाब से ब्याज लिया जाता है और शिक्षा ऋण पर 14 प्रतिशत तक का ब्याज लिया जाता है। जो गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे हैं, वे ऋण का रिपेमेन्ट करेंगे या अपने को संभालेंगे। यह बहुत ही कठिन है।

इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि शैक्षणिक ऋण को ब्याज मुक्त करना चाहिए। इसके लिए मैंने पंत प्रधान जी को, श्री जेटली साहब तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री जी को भी पत्र लिखा है।

मेरा सुझाव है कि जो गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे हैं, जिनको कहीं से कर्ज़ नहीं मिलता है, वे हिम्मत करके बैंक से कर्ज़ लेते हैं, उस कर्ज़ को ब्याज मुक्त करने के लिए सरकार को कोशिश करनी चाहिए जो कर्ज़ लेते हैं, उनको दिलासा देनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : एक ही विÂषय पर आप अपनी बात कहिए। आप सीधे कहिए कि एजुकेशन लोन पर इंट्रेस्ट रेट कम होना चाहिए।

श्री सदाशिव लोखंडे : रेट कम नहीं, यह ब्याज मुक्त होना चाहिए। उसका कारण यह है कि जो किसान लोग ऋण न चुका पाने के कारण भी आत्महत्या करते हैं। उससे भी खतरनाक परिस्थिति शैक्षणिक कर्ज़ लेने वाले किसानों और मजदूरों का होने वाला है। इसके लिए ब्याज मुक्त ऋण देना चाहिए। यह मेरा सुझाव है।

माननीय अध्यक्ष : सर्व श्री डॉ. किरीट पी. सोलंकी, श्रीरंग आप्पा बारणे, कुंवर पुष्पÂेन्द्र सिंह चन्देल, ए.टी. नाना पाटिल, भैरों प्रसाद मिश्र को श्री सदाशिव लोखंडे द्वारा उठाये गये विÂाय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।